□□□□ □□□□□

नई दल्लिी□ मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषति कर चुनाव ल□ने की परंपरा अब भाजपा के गले की फांस बनती जा रही है□ चुनाव की तारीख घोषति हो जाने के बावजूद भाजपा का □कवर्ग अभी भी मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषति करवाने के ल□ सक्रयि है, जबकि कोई उम्मीदवार न घोषति होने पर प्रदेश अध्यक्ष वजिय गोयल के समर्थक और मीडयिा का □कवर्ग उन्हें ही मुख्यमंत्री का उम्मीदवार प्रचारति कर रहा है□ मुख्यमंत्री शीला दीक्षति ने यह कह कर नई बहस छे□ दी है कि वे मुख्यमंत्री बने या न बने कांग्रेस चौथी बार वधिानसभा चुनाव जीतेगी□ कांग्रेस में तो मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषति करने की परंपरा ही नहीं है□ चुनाव नतीजों के बाद वधिायक दल प्रस्ताव पास करके मुख्यमंत्री चुनने का अधकिार कांग्रेस अध्यक्ष को दे देता है और वहीं से जो नाम तय होता है वह मुख्यमंत्री बन जाता है□

भाजपा ने पांच महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के ल□ तो प्रधानमंत्री का उम्मीदवार घोषति कर दयिा लेकनि दल्लिी वधिानसभा के ल□ कसिी को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषचि नहीं कयिा□ और इसके पहले अचानक 15 फरवरी को वजिेंद्र गुप्ता के स्थान पर वजिय गोयल को प्रदेश अध्यक्ष बना दयिा गया□ फरि दो महीने बाद अचानक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा हर्षवर्धन को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषति करने की तैयारी कर ली गई और जब यह जानकारी मीडयिा में आ गई तो घोषणा टाल दी गई□ तब से पार्टी के दल्लिी चुनाव के प्रभारी नतिनि गडकरी और दूसरे नेता इसी नाप-तोल में लगे हु□ हैं कि मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषति करने से पार्टी को फायदा होगा या घाटा□

पछिले वधिानसभा चुनाव में तो शुरू से पार्टी की बागडोर तब के प्रदेश अध्यक्ष डा हर्षवर्धन के हाथ में थी□ अचानक 26 सतिंबर 2008 को पार्टी नेतृत्व ने वरषि्ठ नेता वजिय कुमार मल्होत्रा को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषति कर दयिा□ डा हर्षवर्धन ने उनका सहयोग कयिा लेकनि उसके साल भर पहले हु□ नगिम चुनाव की जीत का सारा जोश कार्यकर्ताओं में ठंडा प□ गया था□ कुल 62,42,917 मत डले और उसमें कांग्रेस को 24,89,817 और भाजपा को 22,75,711 मत मलि यानी भाजपा 2,14,106 मतों के अंतर से चुनाव हार गई□ बसपा को 9,01,670 वोट मलि थे□ कांग्रेस को 70 में 43 और भाजपा को 23 सीटें मलिीं□ उप चुनावों और अदला-बदली के बाद अभी कांग्रेस के तो 43 सदस्य ही है भाजपा के सदस्य 24 हो ग□ हैं□ 1993 के वधिानसभा चुनाव के समय मदन लाल खुराना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष थे□ काफी प्रयास करने के बाद पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषति कयिा□ पार्टी ने उन्हें फ्री हैंड दयिा तो नतीजे भाजपा के हक में आ□□ उसका □कारण तो जनता दल को मलि 18 फीसद वोट भी माने जा रहे हैं□

1998 के वधिानसभा चुनाव के पहले तो भाजपा में भारी गुटबाजी चली□ खुराना के दबाव में साहबि सहि वर्मा को हटाया गया लेकनि इन दोनों के न चाहते हु□ सुषमा स्वराज को मुख्यमंत्री बनाकर उन पर अगले चुनाव में भाजपा को जतिाने की जम्मिेदारी दे दी गई□ वह प्रयोग कामयाब नहीं हुआ□ भाजपा चुनाव हारी□ उसी तरह 2002 के नगर नगिम चुनाव हारने के बाद मांगेराम गर्ग को प्रदेस अध्यक्ष से हटा कर फरि से खुराना को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया□ तब तक हालात काफी बदल चुके थे□ इस बार खुराना नहीं चले और शीला दीक्षति का □जंडा चल गया□ खुराना उससे पहले और उसके बाद कई प्रयोग कर चुके थे□ यह चुनाव खुराना युग के समापन की घोषणा करने वाला था□ खुराना के साथी मल्होत्रा को खुराना के रहते ज्यादा महत्व नहीं मलिा तो उन्होंने उसके बाद अपनी चलवा ली□ नतीजे जगजाहरि होने के बाद ही इस बार पार्टी नेतृत्व अभी तक फैसले नहीं ले पा रही है□

दरअसल सर्वेक्षणों की परंपरा ने मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री के उम्मीदवार घोषति करने की परंपरा को और ब□या है□ उसी के साथ-साथ मीडयिा में भी सर्वेक्षण को कवर करवाने या खुद सर्वेक्षण करने की हो□-सी लग गई□ उसके बाद तो पार्टयिां अपने आप मुख्यमंत्री के उम्मीदवार घोषति करने लगीं□ भाजपा के □कवरषि्ठ नेता का कहना था कि अगर पार्टी ढंग का उम्मीदवार घोषति नहीं करेगी तब यही होगा कि शीला दीक्षति की तुलना अरवदि केजरीवाल जैसे नेता से की जा□गी□ कांग्रेस में तो शीला दीक्षति के नेतृत्व में चुनाव ल□ने की घोषणा हुई है और उन्हें मुख्यमंत्री का उम्मीदवार अपने-आप मान लयिा गया है□ 1998 में पूर्वी दल्लिी लोकसभा चुनाव हारने के बाद उन्हें चौ प्रेम सहि को हटा कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया□ उन्हें अध्यक्ष बनवाने वाले नेताओं में □चके□ल भगत, सज्जन कुमार, जगदीश टाईटलर आदि 1984 के सखि वरिोधी दंगे के आरोपी होने के चलते खुद प्रदेश अध्यक्ष नहीं बन सकते थे तो उन्होंने दल्लिी की राजनीति की कम जानकार और कम पक□ वाली शीला दीक्षति को प्रदेश अध्यक्ष बनवाया□ साल भर में दीक्षति ने जता दयिा कि वे अपने हसिाब से चलेंगी तो सभी उनके खलिाफ हो ग□□ ब□ा अभयिान चला□ शीला दीक्षति न केवल बच गईं बल्कि अपनी जमीन को सबसे ज्यादा मजबूत बना लयिा□

2003 का वधिानसभा चुनाव आते-आते तो दल्लिी में उनका सक्किा चलने लगा□ बसपा के ब□ते असर को कम करने के ल□ 2002 में फरि चौ प्रेम सहि को वधिानसभा अध्यक्ष के बजाय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया□ चौ प्रेम सहि के समर्थकों ने यही प्रचारति कयिा कि अगर कांग्रेस जीती तो प्रेम सहि मुख्यमंत्री होंगे□ लेकनि चुनाव परणिाम आने के बाद प्रेम सहि के वधिायकों की राय लेने की जदि के बाबजूद शीला दीक्षति मुख्यमंत्री बनीं□ उन्होंने चुनाव में चालाकी से मौजूदा वधिायकों को फरि से टक्कि देने की वकालत की थी जबकि प्रेम सहि □कदो टक्कि पर ही अटक ग□ थे□ दूसरे उनके दल्लिी में न□ प्रयोगों का भी यह चुनाव था□ तीसरे चुनाव में तो वे अपने आप मुख्यमंत्री की उम्मीदवार बन गईं, जैसे इस बार बनी हुई हैं□ सभी नेता भी उन्हीं का नाम लेते हैं, वैसे पार्टी नेतृत्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षति और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल के नेतृत्व में चुनाव ल□ने की बात करता है

दिल्ली : मुख्यमंत्री की उम्मीदवारी पर भाजपा में घमासान
Thursday, 10 October 2013 09:33

लेकिन भाजपा में चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद भी किसी को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार तय नहीं हो सका है लेकिन ऐसी घोषणा की जरूरत पार्टी के ज्यादातर लोग महसूस कर रहे हैं।

2 / 2